

॥ भगवती स्तोत्रम् ॥

जय भगवति देवि नमो वरदे, जयपापविनाशिनी बहुफलदे।
जयशुम्भनिशुम्भकपालधरे, प्रणमामि तु देवि नरार्तिहरे॥1॥

जयचन्द्रदिवाकरनेत्रधरे, जय पावकभूषितवक्त्रवरे।
जय भैरवदेहनिलीनपरे, जय अन्धकदैत्यविशोषकरे॥2॥

जय महिषविमर्दिनी शूलकरे, जय लोकसमस्तकपापहरे।
जयदेवि पितामहविष्णुनते, जय भास्करशक्रशिरोवनते॥3॥

जय षण्मुखसायुधईशनुते, जय सागरगामिनि शम्भुनुते।
जय दुःखदरिद्रविनाशकरे, जय पुत्रकलत्रविवृद्धिकरे॥4॥

जय देवि समस्तशरीरधरे, जय नाकविदर्शिनी दुख हरे।
जय व्याधिविनाशिनी मोक्षकरे, जय वाञ्छितदायिनी सिद्धिवरे॥5॥

एतद्व्यासकृतं स्तोत्रं यः पठेन्नियतःशुचिः।
गृहे वा शुद्धभावेन प्रीता भगवती सदा॥6॥

ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ

माताजी की धून

माँ अंबा जगदंबा - माँ अंबा जगदंबा
माँ खोडल माँ खोडल - माँ उमिया माँ उमिया
माँ बहुचर माँ बहुचर - माँ काली महा काली
माँ काली महा काली - माँ दुर्गा माँ दुर्गा



अंतिमधाम

www.antimdham.com

+91-846-0000-648